अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : तृतीय – जैन धर्म प्रथमा (परीक्षा 21 जुलाई, 2019)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

सावधान

1. परीक्षा में नकल नहीं करें। 2. प्रामाणिकता से परीक्षा देकर ईमानदारी का परिचय दे।
3. मायावी नहीं मेधावी बनें। 4. नकल से नहीं अकल से काम लें।

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
5. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	6	कुल योग
प्राप्तांक							
पूर्णांक	10	10	10	10	24	36	100
पुनः जाँच							

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a) प्रतिक्रमण का मूल नाम है-

(क) सामायिक सूत्र (ख) चउवीसत्थव सूत्र

(ग) आवश्यक सूत्र (घ) कायोत्सर्ग सूत्र ( )

(b) दर्शन समकित के अतिचार हैं-

(क) 5 (ख) 6

(ग) 8 (घ) 60 ( )

(c) पन्द्रह कर्मादानों का उल्लेख किस स्थूल में किया गया है-

(क) आठवाँ स्थूल (ख) दसवाँ स्थूल

(ग) सातवाँ स्थूल (घ) पाचवाँ स्थूल ( )

(d) तेरहवें पापस्थान का नाम है-

(क) मिथ्यादर्शन शल्य (ख) कलह

(ग) राग (घ) अभ्याख्यान ( )

(e) तेइन्द्रिय का उदाहरण है-

(क) लीख (ख) मच्छर

(ग) सीप (घ) पक्षी ( )

(f) पर्याप्ति का भेद नहीं है-

(क) आहार (ख) काय

(ग) शरीर (घ) भाषा ( )

(g) चौदह पूर्वधारी प्रमत्त अणगार में पाया जाने वाला विशेष शरीर है-

(क) औदारिक (ख) वैक्रिय

(ग) आहारक (घ) तैजस ( )

(h) भगवान ऋषभदेव को निर्वाण(मोक्ष) प्राप्त हुआ-

(क) वैशाख कृष्णा त्रयोदशी (ख) माघ कृष्णा त्रयोदशी

(ग) चैत्र कृष्णा त्रयोदशी (घ) माघ शुक्ला त्रयोदशी ( )

(i) ''एक सौ आठ बार परमेष्ठी'' प्रार्थना के रचयिता हैं-

(क) गजेन्द्र मुनि (ख) पारस मुनि

(ग) गौतम मुनि (घ) शिव मुनि ( )

(j) 'आभ्यन्तर तप' का भेद है-

(क) ऊनोदरी (ख) व्युत्सर्ग

(ग) कायक्लेश (घ) भिक्षाचर्या ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1=(10)**

(a) संलेखना के पाँच अतिचार नहीं होते हैं। ( )

(b) 'शब्द करके चेताया हो' आठवें स्थूल का अतिचार है। ( )

(c) 'पाप शल्य' को निकालने वाला एक अमोघ साधन प्रतिक्रमण है। ( )

(d) कर्मादान का 10वाँ भेद 'जंतपीलणकम्मे' है। ( )

(e) मतिज्ञान, इन्द्रिय एवं मन की सहायता से होता है। ( )

(f) वेदनीय कर्म के क्षय से अव्याबाध सुख प्रकट होता है। ( )

(g) श्रद्धा के बीच होने वाले विक्षेपों को 'भूषण' कहते हैं। ( )

(h) समकित, धर्म रूपी भोजन का थाल है। ( )

(i) भगवान ऋषभदेव इस युग के प्रथम आदिपुरुष एवं शिक्षाशास्त्री थे। ( )

(j) ब्राह्मण वर्ण की स्थापना भरत चक्रवती ने की थी। ( )

प्र.3 निम्नलिखित में क्रम से सही जोड़ी मिलाकर उत्तर रिक्तस्थान में लिखिए:- **10x1=(10)**

(a)	चौथा आवश्यक	(क) आगमे तिविहे का पाठ	.....
(b)	अनंग क्रीड़ा की हो	(ख) इच्छामि खमासमणो का पाठ	.....
(c)	निसीहि अहो कायं	(ग) मोक्ष	.....
(d)	आगम के तीन प्रकार	(घ) चतुर्थ स्थूल	.....
(e)	सातवाँ बोल	(च) वैशाख शुक्ला तृतीया	.....
(f)	विभंगज्ञान	(छ) शरीर पाँच	.....
(g)	सम्पूर्ण कर्मों का क्षय होना	(ज) अज्ञान का भेद	.....
(h)	त्याग तप दिवस	(झ) वंदना	.....
(i)	विनीता	(य) तिक्खुत्तो का पाठ	.....
(j)	मध्यम वन्दना	(र) भगवान ऋषभदेव	.....

प्र.4 मुझे पहचानो :- **10x1=(10)**

(a) मैं आवश्यक सूत्र का प्रथम पाठ हूँ। .....

(b) 'मुखरी वचन बोला हो' मेरा अतिचार है। .....

(c) मुझे समुच्चय का पाठ भी कहा जाता है। .....

(d) मैं 17वाँ पापस्थान हूँ। .....

(e) मैं सुख-दु:ख, पाप-पुण्य का कर्त्ता एवं भोक्ता हूँ। .....

(f) मैं एक ऐसा लक्षण हूँ, जिसमें दु:खी को देखकर दया से हृदय कोमल हो जाता है। .....

(g) मैं निमित्त ज्ञान से भूत, भविष्य एवं वर्तमान काल की बातें जानकर धर्म की प्रभावना करता हूँ। .....

(h) मैं बाहुबली की माता हूँ। .....

(i) मैं '' अरिहन्त देव का क्या कहना'' प्रार्थना का रचयिता हूँ। .....

(j) मुझे आवश्यक होने पर निरवद्य वचन की प्रवृत्ति करना कहा जाता है। .....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिएः - **12x2 = (24)**

(a) 'करेमि भंते पाठ' का क्या प्रयोजन है ?

.....

.....

.....

(b) संलेखना के दो अतिचार लिखिए।

.....

.....

.....

(c) 'काय' किसे कहते हैं ?

.....

.....

.....

(d) सभी संसारी जीवों में पाये जाने वाले दो शरीरों के नाम लिखिए।

.....

.....

.....

(e) सास्वादन गुणस्थान किसे कहते हैं ?

.....

.....

.....

(f) रूपी पुद्गल के चार भेद लिखिए।

.....

.....

.....

(g) **यतना किसे कहते हैं ?**

.....

.....

.....

(h) **भगवान ऋषभदेव का विवाह सर्वप्रथम किसके साथ हुआ ?**

.....

.....

.....

(i) **भगवान ऋषभदेव ने कर्म के आधार पर कौनसे वर्णों की स्थापना की ?**

.....

.....

.....

(j) **''उपाध्याय.....नमस्कार।'' उक्त प्रार्थना की कड़ी को पूर्ण कीजिए।**

.....

.....

.....

(k) **'अनिह्नवाचार' का अर्थ लिखिए।**

.....

.....

.....

(l) **कौनसी गैस प्राणियों के लिए अभिशाप है ?**

.....

.....

.....

प्र.6 निम्न प्रश्नों के उत्तर तीन-चार पंक्तियों में लिखिए : - **12x3 = (36)**

(a) **पर्युपासना कितने प्रकार की होती हैं ? नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(b) **छठे स्थूल के अतिचार लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(c) **प्रतिक्रमण का मूल उद्देश्य क्या है ?**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(d) **99 अतिचारों का पाठ लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(e) ''आवस्सियाए.....सव्वकालियाए।'' रिक्त स्थान की पूर्ति उपयुक्त शब्दों से कीजिए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(f) अंक 23 के भंग लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(g) चउरिन्द्रिय जीव में कौनसी इन्द्रिया होती हैं ? उदाहरण सहित लिखिए।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(h) लेश्या किसे कहते हैं ? पद्म लेश्या को परिभाषित कीजिए।

.....

.....

.....

.....

.....

(i) **स्थानक के छः भेद लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(j) **''पूजा.....देवाधिदेव का क्या कहना।'' प्रार्थना की कड़ी को पूर्ण कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(k) **''पाँच नमन.....परमेष्ठि पद पावें।'' रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

(l) **जैन धर्म के आधार पर पर्यावरण को प्रदूषण-मुक्त रखने के उपायों का उल्लेख कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

.....

.....